भारत की जनगणना 2011
राजस्थान के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों के अनन्तिम आंकड़ें

प्रेस विज्ञप्ति

जनसंख्या की दशकीय (2001–2011) वृद्धि दर

जनगणना 2011 के अनन्तिम आंकड़ों के अनुसार राज्य की कुल जनसंख्या 68,621,012 है, जिसमें से 51,540,236 ग्रामीण व शेष 17,080,776 नगरीय है। गत 2001 की राज्य की जनसंख्या में कुल 12,113,824 की वृद्धि हुई है जिसमें से 8,247,423 ग्रामीण व शेष 3,866,401 नगरीय क्षेत्र के हैं। दशक 2001–11 में राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में नगरीय क्षेत्रों की जनसंख्या में अधिक दशकीय वृद्धि दर दर्ज की गई ह। ग्रामीण क्षेत्रों में जहां यह 19.05 प्रतिशत दर्ज की गई हैं वही नगरीय क्षेत्रों में 29.26 प्रतिशत दर्ज की गई है। राज्य के ग्रामीण एवं नगरीय दोनों क्षेत्रों की वृद्धि दर में गत दशक 2001–11 में क्रमशः 8.51 व 2.00 प्रतिशत की गिरावट आई है।

ग्रामीण क्षेत्रों के लिए जैसलमेर जिले द्वारा 34.95 प्रतिशत की सर्वाधिक तथा कोटा जिले द्वारा 6.05 प्रतिशत की न्यूनतम दशकीय वृद्धि दर दर्ज की गई है। नगरीय क्षेत्रों के लिए अलवर जिले द्वारा 50.43 प्रतिशत की अधिकतम तथा डूंगरपुर जिले द्वारा 9.80 प्रतिशत की न्यूनतम दशकीय वृद्धि दर दर्ज की गई है।

राज्य की कुल जनसंख्या में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत जनगणना 2001 के 23.39 प्रतिशत से बढ़कर 2011 में 24.89 प्रतिशत हो गया है। जनगणना 2001 में कोटा एक मात्र ऐसा जिला था जिसकी कुल जनसंख्या में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत, ग्रामीण जनसंख्या के प्रतिशत से अधिक था जो 53.46 प्रतिशत था। जनगणना 2011 में अब दो जिले यथा कोटा एवं जयपुर ऐसे हो गये हैं जिनकी नगरीय जनसंख्या कुल जनसंख्या का क्रमशः 60.30 एवं 52.51 प्रतिशत हो गई है।

शिशु (0–6 आयु वर्ग) जनसंख्या

राज्य की जनगणना 2001 में कुल शिशु जनसंख्या 10,651,002 थी जो घटकर जनगणना 2011 में 10,504,916 हो गई है अर्थात वास्तविक संख्या में 1,46,086 की कमी आई है। उल्लेखनीय है कि राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में जहां 2001 से 2011 में शिशु जनसंख्या में 267,475 की गिरावट आई है वहीं नगरीय क्षेत्रों में 121,389 की वृद्धि दज की गई है। दशक 2001–11 में राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चे एवं बच्चियों दोनों की जनसंख्या में क्रमशः –1.67 व –4.70 की ऋणात्मक दशकीय वृद्धि दर्ज की है वहीं नगरीय क्षेत्रों में यह वृद्धि दर धनात्मक रही है जो क्रमशः 6.91 व 4.73 प्रतिशत है।

लिंगानुपात (स्त्री–पुरूष अनुपात)

राजस्थान के दोनों – ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में स्त्री–पुरूष अनुपात में वृद्धि दर्ज की गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह अनुपात 2001 के 930 से बढ़कर 2011 में 932 हो गया है। इसी प्रकार नगरीय क्षेत्रों में यह अनुपात 890 से बढ़कर 2011 में 911 हो गया है। जिला स्तर पर ग्रामीण क्षेत्रों के लिए पाली जिले में सर्वाधिक (1003) स्त्री–पुरूष अनुपात दर्ज किया गया है जबकि धौलपुर (841) द्वारा न्यूनतम स्त्री–पुरूष अनुपात दर्ज किया गया है। राज्य के नगरीय क्षेत्रों में टोंक जिले द्वारा 982 का उच्चतम स्त्री–पुरूष अनुपात दर्ज किया गया है जबकि जैसलमेर जिले में यह न्यूनतम (799) रहा है।

शिशु (0–6 आयु वर्ग) लिंगानुपात

राजस्थान राज्य के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में 2001 की तुलना में 2011 में शिशु लिंगानुपात में गिरावट आई है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह 2001 के 914 से घटकर 2011 में 886 रह गया है तथा इसी प्रकार नगरीय क्षेत्रों में यह 2001 के 887 से घटकर 2011 में 869 हो गया है।

साक्षरता

राज्य के ग्रामीण एवं नगरीय दोनों क्षेत्रों में 2001–11 के दशक में साक्षरता दर में वृद्धि हुई है। जनगणना 2001 में ग्रामीण क्षेत्रों में साक्षरता दर 55.34 प्रतिशत थी जो 2011 में बढ़कर 62.34 प्रतिशत हो गई है। इसी प्रकार नगरीय क्षेत्रों में यह दर 2001 के 76.20 प्रतिशत से बढ़कर 2011 में 80.73 प्रतिशत हो गई है। वर्ष 2001 में पुरूषों की साक्षरता दर ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों के लिए क्रमशः 72.16 व 86.45 थी जो बढ़कर 2011 में क्रमशः 77.49 व 89.16 प्रतिशत हो गई है। इसी प्रकार जहां वर्ष 2001 में महिलाओं की साक्षरता दर ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों के लिए क्रमशः 37.33 व 64.67 प्रतिशत थी वहीं यह 2011 में बढ़कर क्रमशः 46.25 व 71.53 प्रतिशत हो गई है।

पुरूषों के लिए वर्ष 2011 के अनन्तिम आंकड़ों के अनुसार झुन्झुनूं (87.71 प्रतिशत) व उदयपुर (94.45 प्रतिशत) जिलों ने क्रमशः राज्य के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में जहां सर्वाधिक साक्षरता दर दर्ज की है वहीं सिरोही (65.86 प्रतिशत) व धौलपुर (82.42 प्रतिशत) जिलों ने क्रमशः ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों मे न्यूनतम साक्षरता दर दर्ज की है।

महिलाओं में राज्य के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों के लिए क्रमशः झुन्झुनूं (59.86 प्रतिशत) व उदयपुर (82.02 प्रतिशत) जिलों में जहां सर्वाधिक साक्षरता दर आई है वहीं न्यूनतम साक्षरता दर क्रमशः सिरोही (33.02 प्रतिशत) व जालौर (57.32 प्रतिशत) जिलों में दर्ज की गई है।